विद्या - भवन बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

वर्ग - द्वितीय **विषय - हिंदी**

एन.सी.ई.आर.टी पर आधारित

दिनांक - 07- 11- 2021

तितली

रंग–बिरंगे पंख तुम्हारे,
सबके मन को भाते हैं,
कलियाँ देख तुम्हें खुश होतीं,
फूल देख मुसकाते हैं।

रंग–बिरंगे पंख तुम्हारे,
सबका मन ललचाते हैं।
'तितली रानी, तितली रानी',
यह कह सभी बुलाते हैं।

पास नहीं क्यों आती तितली,
दूर–दूर क्यों रहती हो?
फूल–फूल के कानों में जा,
जाकर तुम क्या कहती हो?

सुन्दर–सुन्दर प्यारी तितली,
आँखों को तुम भाती हो।
इतनी बात बता दो हमको,
हाथ नहीं क्यों आती हो?

इस डाली से उस डाली पर,
उड़–उड़कर क्यों जाती हो?
फूल–फूल का रस लेती हो,
हमसे क्यों शरमाती हो?

–नर्मदा प्रसाद खरे

गृहकार्य

कविता लिखें तथा याद करें -

****

ज्योति